खबर संक्षेप

मैहर में जटिल अपेंडिक्स ऑपरेशन: उपलब्धि भी, स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल भी

मैहर। मेडिकल मल्टी एंड ट्रॉमा हॉस्पिटल में एक जटिल अपेंडिक्स का ऑपरेशन लेप्रोस्कोपी तकनीक से सफलतापूर्वक किया जाना स्थानीय चिकित्सा व्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। करिया पाथर निवासी 38 वर्षीय मरीज सचिन वर्मा की स्थिति चुनौतीपूर्ण बताई जा रही थी, क्योंकि उनके मुंह न खुल पाने की समस्या के कारण एनेस्थीसिया देना कठिन था। जैसा कि बताया गया कि इसी वजह से सतना के कुछ अस्पतालों में ऑपरेशन करने से मना कर दिया था। यह दावा करने वाले मना करने वाले चिकित्सा संस्थान का नाम नही बता पा रहे है नाम आ जाते तो और पुष्टि होती फिर भी अगर यह सत्य है तो ऐसी परिस्थिति में मैहर के इस निजी अस्पताल की डॉक्टरों की टीम ने विशेष एनेस्थीसिया तकनीक और आधुनिक लेप्रोस्कोपी पद्धति का उपयोग कर ऑपरेशन को सफल बनाया।

बैठक में आईडी कार्ड वितरित, पत्रकारों के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा

मैहर। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ,जिला इकाई मैहर की वर्ष 2026 की तीसरी मासिक बैठक जिलाध्यक्ष श्रीनिवास चतुर्वेदी 'लल्लू महाराज' की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में सदस्यों को नए आई -कार्ड वितरित किए गए और संगठन की मजबूती पर विचार साझा किए गए। जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के प्रयासों से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पत्रकारों के हित में कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इनमें सामान्य बीमारी के इलाज हेतु 40 हजार और गंभीर बीमारी हेतु 1 लाख रुपये की सहायता, 4 लाख का स्वास्थ्य बीमा,तथा 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा शामिल है। साथ ही,वरिष्ठ पत्रकारों को 20 हजार रुपये मासिक सम्मान निधि और पत्रकारों के आवास ऋण पर ब्याज सब्सिडी देने जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। अनुशासन बनाए रखने के लिए बैठक में सभी सदस्यों से एक शपथ पत्र भी भरवाया गया,जिसमें स्पष्ट किया गया कि संघ का कोई भी सदस्य बिना अनुमति अन्य किसी पत्रकार संगठन का हिस्सा नहीं बनेगा। ऐसा पाए जाने पर सदस्यता समाप्त की जाएगी। बैठक में उपाध्यक्ष जवाहर संतानी,रमाकांत दुबे,कोषाध्यक्ष अंकित अग्रवाल उपस्थित रहे।

अवैध रायफल और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार, एक नाबालिग भी पुलिस हिरासत में

सतना। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान के तहत सिविल लाइन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पतेरी तिराहा के पास से एक फोर्ड फिगो कार में सवार दो युवकों और एक अपचारी बालक को अवैध 12 बोर की रायफल व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। भारत-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के मद्देनजर शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। पेट्रोलिंग के दौरान 'चस्का बार' चाय दुकान के पास संदिग्ध अवस्था में खड़ी कार (**DL4C AF** 6757) की तलाशी ली गई। पुलिस को कार की ड्राइवर सीट के पास से एक लोडेड 12 बोर की बंदूक बरामद हुई।

रामपुरबाघेलान थाना क्षेत्र के चोरमारी की घटना;एसडीआरएफ और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

क्रिकेट खेल कर नहर में नहाने उतरे दो नाबालिग डूबे, 30 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

सतना। जिले के रामपुर बाघेलान थाना अंतर्गत ग्राम चोरमारी में रविवार दोपहर एक हृदय विदारक हादसा हो गया। यहाँ पुरवा नहर में नहाने उतरे दो नाबालिग किशोर गहरे पानी में समा गए। घटना के करीब 30 घंटे बीत जाने के बाद भी सोमवार देर शाम तक दोनों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं।

खेल खत्म कर नहर में उतरे थे दोस्त

जानकारी के अनुसार, चोरमारी निवासी संजीव मिश्रा का पुत्र आर्यन 15वर्ष और सूर्यवली विश्वकर्मा का पुत्र आयुष 13वर्ष रविवार दोपहर करीब 2 बजे अपने अन्य साथियों के साथ नहर किनारे मैदान में क्रिकेट खेल रहे थे। खेल खत्म होने के बाद पसीने से तरबतर दोनों किशोर हाथ-मुँह धोने और नहाने के लिए नहर में उतरे थे। इसी दौरान दोनों पैर फिसलने या अंदाजा न मिल पाने के कारण गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद अन्य बच्चों ने शोर मचाते हुए गांव की ओर दौड़ लगाई और परिजनों को सूचित किया।

अंधेरे ने रेस्क्यू में डाली बाधा

घटना की सूचना मिलते ही रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तत्काल सतना से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। रविवार शाम को टीम ने

कड़ी मशक्कत की लेकिन जलस्तर और अंधेरा बढ़ने के कारण रात में सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा।

सोमवार को सागौनी बाईपास तक तलाश

सोमवार सुबह होते ही रेस्क्यू टीम ने दोबारा मोर्चा संभाला।गोताखोरों ने चोरमारी से लेकर सागौनी बाईपास तक नहर के चप्पे-चप्पे को खंगाला,लेकिन शाम ढलने तक सफलता हाथ नहीं लगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नहर का बहाव और गहराई रेस्क्यू में चुनौती पैदा कर रही है,फिर भी अभियान निरंतर जारी है।

गांव में पसरा सन्नाटा, परिजनों का बुरा हाल

इस हादसे के बाद से चोरमारी गांव में मातम पसरा है। दोनों किशोरों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण नहर किनारे ही डेरा डाले हुए हैं। परिजनों की आंखों के आंसू नहीं सूख रहे हैं और वे टकटकी लगाए अपने लाडलों के मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

जमीन विवाद में खूनी होली

भतीजे की हत्या कर फरार चल रहा आरोपी चाचा गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सतना। रैगांव थाना क्षेत्र के भटिगवां गांव में होली की रात हुए सनसनीखेज हत्याकांड के दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने सलाखों के पीछे भेज दिया है। जमीन विवाद के चलते अपने ही भतीजे की बेरहमी से हत्या करने वाला चाचा सुखेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू लंबे समय से फरार चल रहा था,जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

क्या था मामला?

जानकारी के मुताबिक,भटिगवां निवासी प्रदीप सिंह का अपने चाचा सुखेन्द्र सिंह और चचेरे भाई शिवांश सिंह के साथ लंबे समय से पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। 4 मार्च की रात जब पूरा गांव होली के जश्न में डूबा था,तभी दोनों पक्षों का आमना-सामना हो गया। नशे की हालत में शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई।

लाठी-डंडों से किया था वार

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर चाचा सुखेन्द्र और

चचेरे भाई शिवांश ने प्रदीप पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उसकी पीठ और छाती पर गंभीर वार किए। घायल प्रदीप किसी तरह संघर्ष कर अपने घर तो पहुंचा,लेकिन देर रात उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर भागे,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फरियादी अतुल सिंह की शिकायत पर रैगांव पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दबिश देकर एक आरोपी शिवांश सिंह बघेल को वारदात के अगले ही दिन 5 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया था। मुख्य आरोपी सुखेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू जो तब से फरार था,उसे आज पुलिस ने धर दबोचा और न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

इनका कहना है -

जमीन विवाद में युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। वैधानिक कार्रवाई के उपरांत आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

-प्रेमलाल कुर्वे,एएसपी,सतना

मझगवां पुलिस का बड़ा खुलासा

अवैध संबंधों में रोड़ा बने पति की हत्या

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिल कर रची थी खौफनाक साजिश

जंगल में पेड़ से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश हुई नाकाम, आरोपी गिरफ्तार

सतना। जिले के मझगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोटवा के जंगलों में मिली एक अज्ञात लाश की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। यह मामला साधारण आत्महत्या का नहीं,बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या का निकला। प्रेम प्रसंग में बाधक बन रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पहले उसे शराब पिलाई,फिर गला घोंटकर हत्या कर दी। साक्ष्य छुपाने के लिए शव को जंगल में फांसी के फंदे पर लटका दिया था। पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ऐसे खुला राज: लावारिस लाश से शुरू हुई जांच

घटना का खुलासा तब हुआ जब 5 मार्च को ग्राम मोटवा के चौकीदार ने जंगल में महुआ के पेड़ पर एक करीब 45 वर्षीय व्यक्ति का शव लटका देखा। शव काफी पुराना होने के कारण फूल चुका था। थाना प्रभारी मझगवां निरीक्षक आदित्य नारायण सिंह धुर्वे ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया। शिनाख्त के दौरान मृतक की पहचान राजाभैया डोहर 45,निवासी ग्राम किटहा (जैतवारा) के रूप में हुई।

शक की सुई और अवैध संबंधों का पर्दाफाश

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 2 मार्च को राजाभैया अपनी पत्नी रामबाई और साथी बाबूलाल चौधरी के साथ मजदूरी करने निकला था,लेकिन वह वापस नहीं लौटा। जब मृतक की मां ने रामबाई से पूछताछ की, तो उसने गोलमोल जवाब दिए। पुलिस को सूचना मिली कि रामबाई और बाबूलाल चौधरी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था,जिसका राजाभैया विरोध करता था। इसी विवाद के चलते पत्नी और प्रेमी ने मिलकर राजाभैया को रास्ते से हटाने का मन बना लिया।

शराब पिलाकर उतारा मौत के घाट

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि योजना के अनुसार, वे राजाभैया को मोटवा के जंगल ले गए।वहां उसे जमकर शराब पिलाई गई। जब वह नशे में धुत हो गया, तो दोनों ने मिलकर उसका गला दबा दिया। हत्या के बाद इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए आरोपियों ने शव को रस्सी के सहारे महुआ के पेड़ से लटका दिया और फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन और मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी बाबूलाल चौधरी 40 वर्ष निवासी भैसवार (कोठी)और रामबाई डोहर 35 वर्ष निवासी किटहा (जैतवारा) है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल,शराब के खाली क्वार्टर,मौके से मिले मटर के छिलके/रैपर और मृतक की चप्पल बरामद की है। आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 103 (1), 238(ए) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इनकी रही मुख्य भूमिका

इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश करने में थाना प्रभारी आदित्य नारायण सिंह धुर्वे,साइबर सेल प्रभारी अजीत सिंह,सउनि हीरालाल मिश्रा,रामकेश सिंह,प्रआर ब्रम्हदत्त शुक्ला,दयाराम बैगा,और उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026' का किया शुभारंभ

सतना। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का भव्य शुभारंभ प्रदेश के उच्च शिक्षा,तकनीकी एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की।

भारतीय ज्ञान परंपरा और विकसित भारत का संकल्प

अपने संबोधन में मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत अनादि काल से एक समृद्ध और ज्ञानवान राष्ट्र रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने न केवल हमारी संपत्ति लूटी,बल्कि भारतीय समाज को अशिक्षित और अंधविश्वासी बताने का कुप्रचार भी किया। श्री परमार ने आह्वान किया कि आजादी की 100वीं वर्षगांठ (2047) तक हमें 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी महान भारतीय ज्ञान परंपरा को पूरी क्षमता से पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने वैज्ञानिक शोध के माध्यम से सामाजिक रूढ़ियों को त्यागने और युगानुकूल परिवर्तन अपनाने पर बल दिया।

एविएशन विंग का भ्रमण और शैक्षणिक गतिविधियाँ

मंत्री श्री परमार ने विश्वविद्यालय की एविएशन विंग (उड़ान अकादमी) का भ्रमण कर तकनीकी गतिविधियों की समीक्षा की। कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने स्वागत भाषण में छात्रों द्वारा कम संसाधनों में बनाए गए विज्ञान मॉडलों की सराहना की। मुख्य वक्ता प्रो.एस.पी.गौतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान में 'नारी शक्ति' के ऐतिहासिक एवं आधुनिक योगदान पर प्रकाश डाला।

मंदाकिनी नदी स्वच्छता अभियान में सहभागिता

कार्यक्रम के पश्चात,मंत्री श्री परमार के नेतृत्व में मंदाकिनी नदी स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें कुलगुरु प्रो.चौबे सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों,अधिकारियों और सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञानभारती के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो.आञ्जनेय पांडेय,प्रो.सूर्यकांत चतुर्वेदी , प्रो.सीताशरण गौतम सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद और शोधार्थी उपस्थित रहे।

मैहर मेला : कलेक्ट्रेट में तैयारियों की हुई समीक्षा सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर कड़े निर्देश जारी

मैहर। आगामी प्रसिद्ध मैहर मेले के सफल और सुरक्षित आयोजन को लेकर सोमवार को मैहर कलेक्टर भवन में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में प्रशासन के आला अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं,श्रद्धालुओं की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर गहनचर्चा की और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर रानी बाटड ने की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का खाका खींचने के लिए पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप विशेष रूप से रहे। इसके अलावा बैठक में महेंद्र सिंह सीएसपी,दिव्या पटेल एसडीएम,जितेन्द्र पटेल तहसीलदार,पवन पांडेय प्रधान पुजारी,अशरफ अली मैनेजर,मैहर सीएमओ एवं अन्य विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर और एसपी ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान उमड़ने वाली भारीभीड़ को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी बढ़ाई जाएगी। रोपवे मैनेजर को तकनीकी जांच और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं प्रधान पुजारी पवन पांडेय के साथ दर्शन व्यवस्था को सुगम बनाने पर चर्चा हुई। सीएमओ को निर्देशित किया गया कि मेले के दौरान नगर और मंदिर परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए और पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था हो। एसडीएम और तहसीलदार को मेला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने और आपात कालीन चिकित्सा सुविधाओं को सक्रिय रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नागौद पुलिस की बड़ी सफलता: हत्या के प्रयास का लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

सतना। नागौद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक पुराने मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। करीब एक साल से फरार चल रहे मुख्य आरोपी तौफीक खान को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

क्या था मामला?

घटना पिछले साल 26 फरवरी की है। फरियादी मोहम्मद यूनिस निवासी गोपाल टोला,नागौद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जब वह कुलगढ़ी से मोटर साइकिल द्वारा नागौद आ रहे थे,तब उचेहरा मोड़ के पास संजय बेलदार,मन्ते यादव और तौफीक खान ने उन्हें रोका। आरोपियों ने पुरानी रंजिश (थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात) को लेकर गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान संजय बेलदार ने यूनिस की पीठ पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया था।

पुलिस की कार्रवाई

डॉक्टरी परीक्षण में गंभीर चोट की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मामले में धारा 109 के तहत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद से ही तीनों आरोपी फरार थे। पुलिस ने पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तीसरा आरोपी तौफीक खान पिता मोहम्मद इकबाल,उम्र 19 वर्ष निवासी लक्ष्मीबाई मार्ग, वार्ड क्र.10,नागौद लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। जिसे पुलिस टीम ने आज 09 मार्च को धर दबोचा। यह पूरी कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा जोन के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतना और एसडीओपी नागौद के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाण्डेय ने किया।

स्व. लक्ष्मी यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि: पुण्यतिथि सभा में उमड़ा जन सैलाब

सतना। पूर्व मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य रहे स्व.लक्ष्मी यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर आज स्थानीय ओम रिसॉर्ट में एक विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर स्व.यादव को नमन किया। उन्होंने स्व.यादव के व्यक्तित्व और समाज सेवा में उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के सांसद गणेश सिंह,राज्य सरकार के मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागड़ी,स्थानीय विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने स्व.यादव के सरल स्वभाव और उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों का स्मरण करते हुए उन्हें अपना विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों और आमजन ने स्व.यादव के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन स्थल पर उनकी स्मृति में विशेष श्रद्धांजलि चित्र भी लगाए गए थे।

खबर संक्षेप

हक मांगने पर हाका जाता है, विस्थापित गांवों का छलका दर्द

पन्ना। जय किसान संगठन के बैनर तले सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर के नेतृत्व में चल रही "न्याय अधिकार पदयात्रा" के तीसरा दिन माझगाय मध्यम सिंचाई परियोजना और रुन्झ बांध से प्रभावित गांवों में किसानों और आदिवासी परिवारों के बीच में बीता, लोगों ने बढ़ चढ़कर यात्रा में सहभागिता निभाई, जिसमें जिसमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। तीन दिवसीय इस पदयात्रा का मुख्य संदेश "जमीन छीनी, अब जान मत छीनो" है, जिसके माध्यम से विस्थापित किसानों और आदिवासी परिवारों के दर्द और समस्याओं को सामने लाया जा रहा है। पदयात्रा के तीसरे दिन बनहरी, टपरियन, कुंवारपुरा और बालूपुर गांवों में पहुंचकर किसान चौपाल आयोजित की गई, जहां ग्रामीणों ने विस्थापन से जुड़ी समस्याएं खुलकर सामने रखीं। खबर लिखे जाने तक पदयात्रा रुन्झ बांध प्रभावित गांव विश्रामगंज और पांडेपुरवा मे किसान चौपाल कर रही थी, जहां ग्रामीणों की समस्याओं का दस्तावेजीकरण किया जा रहा था और उन्हें भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम 2013 की जानकारी दी जा रही थी। ग्रामीण बोले - हमें कानून और ग्रामसभा की जानकारी तक नहीं किसान चौपाल में ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें आज तक भूमि अधिग्रहण कानून या ग्रामसभा की प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ग्रामीणों ने कहा,हमने पहली बार इस कानून का नाम सुना है। हमें तो यह भी नहीं पता था कि ग्रामसभा होती है और हमसे पूछा जाता है। हमें लगता था कि सरकार हमें जबरन उजाड़ना चाहती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना सम्बंधित ग्रामसभा, आम सभा या जनसुनबाई कभी आयोजित नहीं की गई और न ही कानूनी प्रक्रिया के बारे में उन्हें अवगत कराया गया।

कलेक्टर ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिबंधित करने के संबंध में दिए निर्देश

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं गत दिवस मुख्यमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशानुसार सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिबंधित करने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में समस्त कार्यालय प्रमुखों सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ तथा नगरीय निकायों के सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के प्रावधान अनुसार मध्यप्रदेश में एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं का निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, विक्रय व उपयोग पर प्रतिबंध है।

प्रकृति की सुरक्षा एवं देखरेख करने का अवसर प्राप्त हुआः रंजना नागर, प्रभारी डिप्टी रेंजर रैपुरा

अंतिम छोर व जमीनी स्तर पर वन विभाग की सेवा जहां प्रकृति के हर पड़ाव को पार करते हुये जंगल व जमीन दोनों की सुरक्षा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दौरान जहां दक्षिण वन मण्डल अंतर्गत वन परिक्षेत्र रैपुरा रेंज की प्रभारी डिप्टी रेंजर रंजना नागर की कहानी जो जीवन में सफलता व कर्तव्य निष्ठा से आज सफल मुकाम को लेकर बनी उदाहरण।

पन्ना। दक्षिण वन मण्डल अंतर्गत रैपुरा रेंज में पदस्थ प्रभारी डिप्टी रेंजर के पद पर जहां रंजना नागर की सफलता कर्तव्यनिष्ठा से कहीं न कहीं विभागीय दायित्वों को निभाने में जिनकी सफल कहानी दूसरों के लिये मिषाल बनकर दिषा देने को लेकर मानी जा रही है। महिलाओं के लिये जहां वन विभाग जैसे शासकीय सेवा में वनपाल के पद पर पदस्थ होकर कठिन चुनौतियों का सामना करते हुये वहीं सफलता का मुकाम तय करते हुये प्रभारी डिप्टी रेंजर के रूप में जो आज रंजना नागर अपने कर्तव्यनिष्ठा से ही विभाग में बेहतर सेवाओं को लेकर जानी जा रही है। अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के दौरान रंजना नागर का नाम विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची में महिला वर्ग में सामने आया वहीं इनकी प्रारंभिक षिक्षा दीक्षा व चुनौतियों से भरे जीवन को भी जाना गया जहां आपकी प्रारंभिक षिक्षा लवकुष नगर जिला छतरपुर में हुई इनके पिता उस समय सहायक षिक्षक के पद पर पदस्थ थे जिन्हें मात्र उस समय मासिक वेतन कितना मिलता रहा कुछ खास नहीं उसमें रंजना नागर व दो भाई बहिनों का पालन पोषण एवं षिक्षा एक चुनौती थी लेकिन पिता स्वयं जो षिक्षक थे उन्होंने षिक्षण कार्य कराया हाई स्कूल की षिक्षा प्राप्त करने के उपरांत हायर सेकेण्ड्री की षिक्षा प्रारंभ की तभी वन विभाग में वनरक्षक की जगह निकली पिता जी ने फार्म डलवाया तथा हौसला बढाया रंजना नागर ने परीक्षा उत्तीर्ण कर वन रक्षक के पद पर 01 अगस्थ 2023 को हुआ ट्रेनिंग में जाने का मार्ग प्रसस्त्र जहां भी पदस्थाना हुई वहां माता

जी ने साथ रहकर भरपूर सहयोग किया। एक लड़की वन विभाग में नौकरी एक चुनौती थी उसीदौरान पिता ने शादी कर दी ससुराल एवं पति के सहयोग से शादी के बाद षिपुरी वन विद्यालय में ट्रेनिंग पूरी हुई। स्वयं के हौसले व वरिष्ठों के निर्देषों से एक वर्षीय प्रषिक्षण पूर्ण करने के बाद काष्टागार डिपो पदस्थापना हुई वहां लकड़ी का नामपना चट्टे लगवाना लाट की सीट तैयार करना अन्य कार्य सुचारू रूप से किये 01 जनवरी 2007 को इनकी पदस्थापना वन परिक्षेत्र शाहनगर की बिसानी बीट में हुई वहां 7 जनवरी 2007 को वन्य प्राणियों का षिकार करने वाले आरोपियों को पकड़ा और जेल की राह तय करवाई। बिसानी मे रहकर फील्ड का कार्य पौधारोपण वन सुरक्षा आदि के कार्य परिवारिक दायित्वों को निभाते हुये बखूबी किया। इसी दौरान बेटी को जन्म दिया बच्चे की परवरिष के साथ-साथ शासकीय कार्यों में बखूबी दायित्व निभाया सन 2009 का कार्य पौधारौपण तैयारी सन 2010 से 2013 तक बीट सुगरहा में रहकर बुन्देलखण्ड पैकेज के तहत प्रस्तावित कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से कराया शाहनगर वन परिक्षेत्र की बीट गजंदा में रहकर विभागीय कार्य क्षेत्र तैयारी पौधा रोपण का कार्य कराया अवैध अतिक्रमण की रोकथाम में जंगल जुताई करने पर ट्रेक्टर जप्त किया तथा अवैध कटाई की रोकथाम में एक आटो वाहन जप्त किया। अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कटाई वन्य प्राणी षिकार आदि की रोकथाम में राजनैतिक धमकियां एवं आरोपियों की धमकियों का सामना करना पड़ा परंतु बिना डरे अपने कर्तव्यों का पालन करने को लेकर रंजना नागर जानी गई। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों एवं पति का सहयाग रहा इसी समय के चलते इनका स्थानानतरण रैगुंवा बीट किया गया। वहां वृक्षारोपण आदि का कार्य किया 5 अक्टूबर 2023 को कार्यवाहक वनपाल के पद पर रैपुरा परिक्षेत्र के सर्किल घुटेही में इनकी पदस्थापना की गई जहां वनपाल के पद पर रहने के बाद दक्षिण वन मण्डल अधिकारी ने वर्तमान में इन्हें कहीं न कहीं इनकी कार्यप्रणाली को देखते हुये 100 से अधिक विरासित वृक्षों की पहचान व वन्य जीवों सुअरों एवं नीलगाय के सफल रेस्क्यू को लेकर भी काम किया दक्षिण वन मण्डल अधिकारी के मार्गदर्षन में शर्पदन्स से बचाव के लिये जागरूकता में सांपसीढी गेम का वितरण किया नियमित रात्रि की गस्ति ताते एवं कछुओं को उनके प्राकृतिक रहवास में मुक्त कराकर जांच प्रकरण को समय में पूर्ण किया। सर्किल में चल रहे रोपण कार्यों को समय-समय पर निरीक्षण करते हुये आपने वखूबी दायित्वों का निर्वाहन किया। एक बेटी षिक्षा दीक्षा के बाद जहां शासकीय सेवा वन विभाग में जमीनी स्तर पर चुनौतियों भरे सफर के साथ शादी के बाद ससुराल का दायित्व महिला की गृहणी के रूप में जिम्मेदारी मां का दायित्व साथ ही वन विभाग में हर समय चुनौती भरे कार्यों को पूर्ण करते हुये प्रकृति की सुरक्षा व वनों के महत्व को सदैव के लिये बचाते हुये अपने दायित्वों को निर्वाहन किया तभी तो आज बीट से लेकर जिले तक में विभाग में जानी गई रंजना नागर वनपाल रहते हुये डिटी रेंजर के प्रभार में वहीं कुषल कार्य प्रणाली कर्तव्यनिष्ठा के कारण अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के विषेष में आज उदाहरण है जिले में।

ग्राम पुरैना मे हुये अंधे हत्याकाण्ड का खुलासा कर आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त हथियार कुल्हाड़ी एवं खून से सने कपड़े किये गये जप्त

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन मे पन्ना पुलिस द्वारा थाना शाहनगर पुलिस द्वारा अंधे हत्याकांड का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। मामले में दिनांक 21.01.2026 को फरियादी सुभाष सिंह राठौर निवासी ग्राम पुरैना थाना शाहनगर द्वारा सूचना दी गई कि उसका चचेरा भाई प्रताप सिंह राठौर सुबह करीब 08रू30 बजे घर से प्लास्टिक के दो गुम्मा लेकर साइकिल से गाँव के नल वाले बगीचा पानी लेने गया था परंतु वह वापस घर नहीं लौटा। काफी तलाश करने पर फरियादी को देवहाई हार स्थित पत्थर की खखरी के पास डबरा में पानी भरी गड्ढेनुमा जगह में प्रताप सिंह राठौर का शव पड़ा हुआ मिला जिसके सिर के दाहिनी ओर गहरा घाव था तथा खून बह रहा था। फरियादी की सूचना पर शाहनगर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर मामले में मर्ग क्रमांक 1/26 कायम किया जाकर जाँच में लिया गया। मामले में थाना प्रभारी शाहनगर निरीक्षक परशुराम डाबर द्वारा घटना की विस्तृत जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान व एस0डी0ओ0पी0 पवई भावना दांगी के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी शाहनगर निरीक्षक परशुराम डाबर के नेतृत्व मे विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार गठित पुलिस टीम तत्परता पूर्वक घटना स्थल पहुँची साथ ही तथा एफएसएल टीम, डॉग स्क्वाड एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जाककर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जाचं उपरान्त पाया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतक को किसी किसी ठोस या धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई है। जाँच उपरान्त मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना शाहनगर में हत्या का अपराध क्रमांक 38/2026 धारा 103 (1) बीएनएस पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा आसपास के लोगो से घटना के संबंध में पूँछताछ शुरू की गई एवं क्षेत्र में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । जिसके फलस्वरूप मुखबिर द्वारा जानकारी दी गई कि घटना के समय घटनास्थल के समीप पत्थर की खखरी के पीछे छोटे उर्फ उदय सिंह राठौर को देखा गया था, उक्त जानकारी के आधार पर पुलिस द्वारा संदेही छोटे उर्फ उदय सिंह राठौर पिता साधू सिंह राठौर उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम पुरैना थाना शाहनगर को दिनांक 08/03/2026 को तलाश कर उसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूँछताछ की गई। पूँछताछ के दौरान संदेही द्वारा बताया गया कि जिस स्थान पर मेरे जानवर बंधते है उसी स्थान के पास मृतक नित्य क्रिया करता था । इस बात को लेकर हम लोगो में कई बार झगड़ा हो चुका था एवं आपसी रंजिस बनी हुई थी । घटना दिनांक को मेरे मना करने के बाद भी जब मृतक नही माना तो मैने मौका पाकर मृतक के सिर में कुल्हाड़ी से वार करके उसकी हत्या कर दी । मामले में आरोपी के बताये अनुसार घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी व घटना के दिन पहने हुये कपडे जप्त किये आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। विवेचना जारी है।

नाम पता आरोपीः- छोटे उर्फ उदय सिंह राठौर पिता श्री साधू सिंह राठौर उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम पुरैना थाना शाहनगर जिला पन्ना (म.प्र.)।

जप्त सामग्री - मामले में पुलिस टीम द्वारा आरोपी के बताये अनुसार घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी, खून में सने हुये आरोपी के कपड़े (जो घटना कारित करते समय पहने गये थे) जप्त किये गये है।

सराहनीय योगदान-कार्यवाही में थाना प्रभारी शाहनगर निरीक्षक परशुराम डाबर, उपनिरीक्षक मनोज यादव, प्र0आर0 मनोज त्रिपाठी, आरक्षक रविन्द्र अहिरवार, राकेश, भजन लाल, सोहन सिंह, महिला आर. दीक्षा चालक प्रमोद प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त पुलिस टीम के कार्य की सराहना की गई है।

आत्म बल ही नारी सशक्तिकरण का एकमात्र स्रोत ब्रह्माकुमारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया महिलाओं का सम्मान

पन्ना। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारी विद्यालय में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलित व महिलाओं के सम्मान के साथ किया गया, सीता बहन ने सभी महिलाओं को रंग पंचमी एवं महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहां की आज का दिन विशेष महत्वपूर्ण दिन है, नारी बहुमुखी प्रतिभा की धनी है नारी के विकास में सर्वे का विकास समय हुआ है इसलिए कहा जाता है कि अगर एक नारी को शिक्षित किया तो सारे परिवार को शिक्षित किया, नारी होने के कारण हम सभी पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है स्वयं का विकास कर समाज का विकास करना देश का और पूरे विश्व का विकास करना आज हम चौमुखी विकास कर रहे हैं परंतु सभी विकास होने के बावजूद भी हमारे जीवन में सुख शांति पवित्रता संतुष्टता नहीं है कारण आध्यात्मिक विकास न होने के कारण हमारे जीवन में आध्यात्मिक मूल्य नहीं आ रहे हैं आध्यात्मिक विकास हमे अपना नैतिक विकास मानवीय मूल्य के विकास से मानव संपूर्णता को प्राप्त कर सकता है जिम्मेदारी के साथ-साथ जीवन में त्याग,सेवा व मूल्यों की पराकाष्ठा होना आवश्यक है वर्तमान शिक्षा बुद्धिजीवी तो बना रही है लेकिन नारी के प्राकृतिक गुण की विलुप्तता जैसे मधुरता स्नेह, की कमी से जीवन संघर्ष युक्त बनता जा रहा है नारी में नैतिक मूल्य है तो वह कभी भी हार नहीं खा सकती है कभी भी उसका विकास ना हो यह हो नहीं सकता क्योंकि यही नैतिक मूल आध्यात्मिक मूल मनुष्य को बहुत आगे ले जा सकते हैं हर आत्मा मूल्यों से संपन्न है हर आत्मा का निजी स्वभाव है शांति प्रेम आनंद,पवित्रता आदि दिव्य गुण संपन्न है लेकिन आज हम खुद को यह भौतिक देह समझ रहे हैं इसलिए हम मूल्यों को इतना महत्व नहीं दे रहे हैं केवल शारीरिक विकास की ही बातें करते भौतिक विकास की ही बातें करते इसलिए किसी ने बहुत सुंदर कहां है कि अगर जीवन में मूल्य है तो जीवन का भी मूल्य है और अगर जीवन से मूल्य ही चले गए तो जीवन का कोई मूल्य नहीं। आगे आपने कहा बच्चों को जन्म देने के साथ-साथ उसे अच्छे संस्कार देना भी नैतिक जिम्मेवारी है,वा प्रत्येक महिला को चाहिए कि हम अन्य महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना रखकर समाज सुधार के कार्यों के प्रति स्वयं को सशक्त करें आपने कहा कि आज अगर नारी का सम्मान कम हुआ है तो कहीं ना कहीं स्वयं नारी भी उसकी जिम्मेदार है आधुनिकता ने नारी में समाहित देवी स्वरूप को लुप्त कर दिया है परिवार में सुख शांति का वातावरण बनाना यह हर एक नारी की पहली जिम्मेदारी है चाहे हम कितनी भी ऊंचाइयों पर आ जाए किसी भी क्षेत्र में परचम लहरा दें लेकिन पहले हम कौन हैं एक आदर्श माँ, आदर्श नारी,आदर्श पत्नी, पुत्री अपनी इस भूमिका को कभी ना भूले। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे, श्रीमती उमा त्रिपाठी श्रीमती निशा जैन,. श्रीमती शारदा पाठक जानकी यादव पूर्व रेंजर, श्रीमती आशा गुप्ता, सभी ने अपने विचार व्यक्त किये,लीनेस क्लब की सभी बहने एवं अन्य गणमान्य महिलाएं उपस्थित रही सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।

अजयगढ़ में स्वास्थ्य विभाग कर्मी का घर जलकर खाक भांजी के दहेज समेत गृहस्थी का सारा सामान राख

पन्ना। नगर के वार्ड क्रमांक 01, टिकुरिया मोहल्ला में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक रिहायशी मकान में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में सरकारी अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्यरत मुजीब खान, पिता दीदार बख्श का पूरा घर जलकर खाक हो गया। आग इतनी भयावह थी कि घर में रखा तिनका-तिनका जल गया और परिवार के पास अब सिर छिपाने के लिए छत और पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ शेष नहीं बचा है।

आधी रात को मचा कोहराम

जानकारी के अनुसार, हादसा रात करीब 2:00 बजे का है जब परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक घर से धुंआ और लपटें उठती देख परिजनों की नींद खुली। जब तक बचाव कार्य शुरू किया जाता, आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था। स्थानीय लोगों की मदद से मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सब कुछ बर्बाद हो चुका था।

भांजी का दहेज और दस्तावेज हुए स्वाहा

पीड़ति मुजीब खान ने बताया कि घर में उनकी बड़ी भांजी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। शादी के लिए इकट्ठा किया गया सारा दहेज का सामान, जेवर, नगदी और कपड़े पूरी तरह जल गए हैं। इसके साथ ही घर के राशन, बर्तन और बच्चों के शैक्षणिक दस्तावेजों सहित तमाम जरूरी कागजात भी आग की भेंट चढ़ गए। पीड़ति परिवार अब खुले आसमान के नीचे दाने-दाने को मोहताज है।

प्रशासन से मुआवजे की गुहार

घटना के बाद से पीड़ति परिवार गहरे सदमे में है। मोहल्ले वासियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पीड़ति परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए तत्काल मौका मुआयना कर उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वे अपनी गुजर-बसर और भांजी की शादी की व्यवस्था कर सकें।

कांग्रेस नेता अंकित शर्मा की माता जी का दुःखद निधन

पन्ना। आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ रहे शिक्षक महेवा निवासी कुंज बिहारी शर्मा की धर्मपत्नी तथा कांग्रेस नेता अधिवक्ता अंकित शर्मा एवं अर्जुन उर्फ मोना शर्मा की माताजी श्रीमती आशा शर्मा का गत दिवस दुखद निधन हो गया उनके निधन की खबर सुनकर नगर में शोक का माहौल कायम है। नगर के जनप्रतिनिधियों अधिकारियों कर्मचारियों साहित्यकारों पत्रकारों शिक्षकों अधिवक्ताओं ने गहन दुख व्यक्त करते हुए पीड़ति परिवार को यह महान दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से प्रार्थना की है।

रेत के अवैध परिवहन ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

कटनी। रेत के अवैध दोहन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उमरियापान पुलिस ने कार्यवाही की है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध रूप से रेत ले जा रहे एक स्वराज ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ा है। यह कार्यवाही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में की गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रविवार को थाना प्रभारी उमरिया पान ने स्टाफ के साथ वाहन चेकिंग लगाई थी। इसी दौरान एक लाल रंग का नया स्वराज ट्रैक्टर आता दिखा, जिसे रोककर तलाशी ली गई। ट्रैक्टर की ट्राली रेत से लबालब भरी हुई थी। जब चालक अजीत कोल 29 वर्ष निवासी बड़ौदा से रेत परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका।

देवेंद्र नगर की सलेहा रोड पर अधूरा निर्माण बना हादसों की वजह, सड़क किनारे पड़े पत्थर और उड़ती धूल से लोग परेशान

सलेहा रोड की बदहाली पर पीडब्ल्यूडी घिरा, लापरवाही पर उठे बड़े सवाल

देवेन्द्रनगर। देवेंद्रनगर की सलेहा रोड इन दिनों लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की लापरवाही का उदाहरण बनती जा रही है। अधूरा पड़ा सड़क निर्माण कार्य, सड़क किनारे बिखरे बड़े-बड़े पत्थर और उड़ती धूल लोगों के लिए खतरा बन चुके हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सड़क पर कहीं भी सुरक्षा के इंतजाम नजर नहीं आते। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी अब तक मौके पर आकर स्थिति देखने तक नहीं पहुंचे, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीते दिनों यहां हुई दुर्घटनाओं ने सड़क की खतरनाक स्थिति को उजागर कर दिया है। रात के समय हालात और भी भयावह हो जाते हैं, क्योंकि सड़क पर न तो रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं और न ही चेतावनी संकेत या पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है। ऐसे में हर दिन राहगीरों और वाहन चालकों की जान जोखिम में पड़ रही है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पीडब्ल्यूडी द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों तथा संबंधित ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जनता के तीखे सवाल - क्या पीडब्ल्यूडी की निगरानी सिर्फ कागजों तक सीमित है? सड़क निर्माण में सुरक्षा मानकों की अनदेखी क्यों? अगर कोई बड़ा हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? देवेंद्रनगर की जनता अब इस लापरवाही को लेकर खुलकर सवाल उठा रही है और साफ कह रही है कि अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई और सड़क की तत्काल मरम्मत चाहिए।

खबर संक्षेप

ग्रीष्म काल में हैण्डपम्पों के सुधार एवं पेयजल समस्या निवारण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

दूरभाष नंबर 07682-248252 पर कॉल कर दें जानकारी

विकासखण्ड स्तर पर अधिकारियों के भी नंबर जारी

छतरपुर। ग्रीष्म काल में हैण्डपम्पों के संधारण एवं जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के हैण्ड पम्पों के सुधार हेतु जिला स्तर के पीएचई कार्यालय में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। साथ ही विकासखण्ड स्तर पर संबंधित अधिकारियों को भी संपर्क किया जा सकता है।

पीएचई कार्यालय छतरपुर में कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07682-248252 है। इस नंबर पर कॉल कर हैण्ड पम्प खराब होने एवं पेय जल समस्या की जानकारी कार्यालयीन समय एवं अवकाश के दिनों में भी दी जा सकती है।

विकासखण्ड स्तर पर अधिकारियों को दें जानकारी

विकासखण्ड स्तर पर छतरपुर एवं राजनगर के लिए शुचि जैन सहायक यंत्री 8817399766, सिद्धि मिश्रा छतरपुर उपयंत्री 7869521365, देवेन्द्र सिंह घोष उपयंत्री राजनगर 9630610104 एवं नौगांव-बिजावर सहायक यंत्री नीलेश साहू 9993936486, उपयंत्री नौगांव कुलदीप राय 9893465378, उपयंत्री बिजावर आशू सेठ 9685734626 और बड़ामलहरा-बक्सवाहा, लवकुशनगर-गौरिहार सहायक यंत्री जे.पी. प्रभाकर 9893017833, उपयंत्री बड़ामलहरा-बक्सवाहा शुभम राय 9039734415 तथा उपयंत्री लवकुशनगर अतुल शर्मा 8770578331, उपयंत्री गौरिहार अंकित त्रिपाठी 9179424210

के मोबाईल नंबर पर पेयजल समस्या एवं हैण्डपम्पों के सुधार हेतु जानकारी दी जा सकती है।

पति की सुरक्षा के लिए एसपी दफ्तर पहुंची पत्नी

घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप

छतरपुर

शहर के वार्ड नंबर 16, संकट मोचन पहाड़ी स्थित मरई माता मंदिर के पास रहने वाले एक परिवार ने दबंगों के खौफ के चलते पुलिस अधीक्षक कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित सनत कुमार नागर की पत्नी सपना देवी नागर ने अपने पति और परिवार की जान को खतरा बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, घटना 3 मार्च की रात की है जब नागर परिवार अपने घर में जन्मदिन का कार्यक्रम मना रहा था। आरोप है कि इसी दौरान मुकेश नागर और आशीष नागर अपने 4-6 साथियों के साथ नशे की हालत में घर के पीछे के रास्ते से अंदर घुस आए। उन्होंने बिना किसी कारण परिवार के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब सनत कुमार नागर ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की। परिजनों का कहना है कि हमलावरों ने पूरे परिवार को जान से मारने और घर में आग लगाने की धमकी भी दी है।

पीड़ित परिवार ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन वहां से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा, आरोपियों द्वारा दबाव बनाने के लिए पीड़ित पक्ष के खिलाफ ही झूठी शिकायत दर्ज करा दी गई है। स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर सपना देवी ने अब एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

छतरपुर। छतरपुर जिले में नशे की गिरफ्त ने एक और हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम भगवंतपुरा में एक 21 वर्षीय युवक ने शराब की लत से तंग आकर मौत को गले लगा लिया। युवक का शव गांव के ही सरकारी स्कूल के सामने एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान 21 वर्षीय नारायणदास अहिरवार के रूप में हुई है। पिता रामकिशन अहिरवार ने बताया कि नारायणदास शराब पीने का अत्यधिक आदी था। रविवार रात उसने परिवार के साथ सामान्य रूप से खाना खाया और सोने चला गया। रात के सन्नाटे में वह कब उठकर घर से बाहर निकल गया, इसकी भनक किसी भी सदस्य को नहीं लगी। सुबह जब ग्रामीण स्कूल की ओर गए, तो वहां का मंजर देखकर दंग रह गए। परिजनों के मुताबिक, नारायणदास को कई बार शराब छोड़ने के लिए समझाया गया और उसकी काउंसलिंग भी की गई, लेकिन वह अपनी आदत से मजबूर था। पिता का रो-रोकर बुरा हाल है; उनका कहना है कि इस बुरी लत ने ही उनके जवान बेटे की जान ले ली। वहीं घटना की सूचना मिलते ही ओरछा रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के पीछे के अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। गांव के स्कूल के सामने हुई इस घटना से पूरे इलाके में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

40 मिनट तक नहीं मिली सरकारी मदद

टैंकर ने बाइक सवार को रौंदा

छतरपुर। जिला मुख्यालय से महज 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित महोबा रोड पर आज एक दर्दनाक सड़क हादसे ने आपातकालीन सेवाओं की पोल खोलकर रख दी। काली देवी तिगड्डा के पास एक तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक सवार युवक को बेरहमी से रौंद दिया। विडंबना देखिए कि घायल युवक करीब 40 मिनट तक सड़क पर तड़पता रहा, लेकिन बार-बार कॉल करने के बावजूद न तो एम्बुलेंस पहुंची और न ही डायल-112 की गाड़ी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सागर-कानपुर फोरलेन निर्माण कार्य में लगे टैंकर जीजे 02 जेड 6409 ने गढ़ीमलहरा की ओर से आ रहे पल्सर सवार अनिल अहिरवार निवासी ग्राम बरोंई-सेंवड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैंकर युवक को रौंदते हुए निकल गया। हादसे के तुरंत बाद टैंकर चालक और स्टाफ वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। हादसे के बाद सड़क पर जमा भीड़ लगातार सरकारी मदद के लिए फोन करती रही, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी कोई सहायता नहीं पहुंची। ऐसे में मानवता का परिचय देते हुए लुधियाना की ओर से आ रहे बोलेरो चालक देवकी तिवारी ने अपनी गाड़ी रोकी। उन्होंने घायल की चलती सांसें देख उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने का फैसला किया। इस नेक कार्य में गढ़ीमलहरा थाने के मुंशी ओमप्रकाश रैकवार, एडवोकेट प्रमोद तिवारी, पप्पू रैकवार और साहब सिंह बुंदेला ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए घायल को रेस्क्यू कर अस्पताल भिजवाया।

आपातकालीन सेवाओं पर खड़े हुए बड़े सवाल

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जिला मुख्यालय के इतने करीब होने के बावजूद 40 मिनट तक सरकारी मदद क्यों नहीं पहुंची? यदि राहगीर तत्परता न दिखाते, तो युवक की जान जा सकती थी। फिलहाल अनिल अहिरवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। सिटी कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट के मामले में दूसरे पक्ष ने एसपी दफ्तर में दी दस्तक, चुनावी रंजिश और षड्यंत्र का लगाया आरोप

छतरपुर। जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम मलका में पिछले दिनों बच्चों के मामूली विवाद से उपजा तनाव अब गहराता जा रहा है। मामले में नया मोड़ तब आया जब दूसरे पक्ष ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर गांव के ही कुछ प्रभावशाली लोगों पर हमले की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया।

सोमवार को मलका निवासी भागीरथ अहिरवार अपने परिवार के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने आवेदन सौंपते हुए आरोप लगाया कि गांव के हरिओम मिश्रा और छोटू उर्फ विकास मिश्रा ने पुरानी चुनावी रंजिश के चलते समाज के लोगों को उकसाया और उनके घर पर जानलेवा हमला करवाने का षड्यंत्र रचा। पीड़ित का कहना है कि हमलावर तो केवल मोहरे थे, जबकि असली सूत्रधार पर्दे के पीछे बैठे ये लोग हैं। भागीरथ के मुताबिक परिवार पर दो बार हमला किया गया। पहला हमला 4 मार्च 2026 को हुआ, जिसकी रिपोर्ट शीला अहिरवार ने दर्ज कराई थी। इसके बाद 6 मार्च को दोबारा सियाराम अहिरवार और अन्य लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की, जिसकी रिपोर्ट भागीरथ अहिरवार ने लिखवाई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने इन घटनाओं की रिपोर्ट तो दर्ज की, लेकिन मुख्य साजिशकर्ताओं (हरिओम और छोटू मिश्रा) के नाम एफआईआर में शामिल नहीं किए।

जिला अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था फेल

गंदगी और बदबू के बीच इलाज कराने को मजबूर मरीज

छतरपुर। संभाग के सबसे बड़े चिकित्सा केंद्रों में शुमार छतरपुर का जिला अस्पताल इन दिनों अपनी बदहाली और गंदगी को लेकर चर्चा में है। अस्पताल परिसर में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर और उससे उठती असहनीय बदबू ने मरीजों व उनके परिजनों का जीना मुहाल कर दिया है। स्वच्छता के दावों के बीच सामने आई ये तस्वीरें प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। अस्पताल के वार्डों के आसपास और गलियारों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। हालात यह हैं कि सफाई कर्मचारियों की तैनाती के बावजूद नियमित सफाई नहीं हो रही है। कचरा दान ओवरफ्लो हो रहे हैं और चारों तरफ फैली गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। दूर-दराज से आए परिजन अस्पताल परिसर में बैठने तक को मजबूर हैं, जहाँ सांस लेना भी दूभर हो रहा है। गौरतलब है कि इस जिला अस्पताल पर केवल छतरपुर ही नहीं, बल्कि पड़ोसी जिले टीकमगढ़, पन्ना और उत्तर प्रदेश के महोबा व बेलाताल जैसे क्षेत्रों का भी भार है। हर दिन हजारों की संख्या में मरीज यहां बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन यहां की अव्यवस्थाएं उन्हें और बीमार कर रही हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के अनुपात में सफाई संसाधनों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता शून्य नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन और नगर पालिका के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में बैठकर व्यवस्थाओं के दावे करते हैं, जबकि हकीकत जमीन पर कुछ और ही बयां कर रही है। लोगों ने मांग की है कि जल्द ही सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

ऐतिहासिक धरोहर ध्वस्त होगी या जीर्णोद्धार कराएगी नगर पालिका

पुलिस चौकी स्थानत्रित होने के बाद नगर में लगाया जा रहा ध्वस्त होने का कयास

नौगांव। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित नौगांव नगर अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। यह नगर आजादी से पहले 36 रियासतों के राजाओं के बंगलों और 122 चौराहों से अपनी पहचान बनाए हुए था। इन पुरानी इमारतों और बंगलों में खुद नगर का इतिहास समाया हुआ है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अधिकारियों की उदासीनता के कारण ये धरोहरें धीरे-धीरे खस्ताहाल हो रही हैं और कई गायब भी हो चुकी हैं। यदि समय रहते इनका जीर्णोद्धार नहीं किया गया तो नगर अपनी ऐतिहासिक पहचान खो सकता है।

अभी भी नगर में कुछ बंगले खड़े हैं जो ठीक से रखरखाव के अभाव में टिके हुए हैं। ऐसे ही एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक बंगले पर अब सबकी नजरें टिकी हैं, जहां हाल ही में पुलिस चौकी स्थानांतरित हो गई है। नगर के बस स्टैंड पर नवीन पुलिस चौकी का उद्घाटन हो चुका है, जो पहले इसी पुराने बंगले में संचालित होती थी। चौकी के हटने के बाद स्थानीय लोगों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यह बंगला ध्वस्त कर दिया जाएगा या नगरपालिका इसका संरक्षण कर जीर्णोद्धार कराएगी। इस बंगले का इतिहास काफी पुराना है। नगर के इतिहासकार दिनेश सेन के अनुसार, सन् 1930 में अजैगढ़ की महारानी (दोवागेर) द्वारा यह इमारत बनवाई गई थी। इसके बाद सेंट्रल इंडिया लोक निर्माण विभाग के माध्यम से इसे स्वास्थ्य विभाग को जच्चा-बच्चा वार्ड के लिए सौंपा गया। आजादी के बाद यह इमारत राज्य लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित हुई। सन् 1930 से 1960 तक यहां जच्चा-बच्चा वार्ड संचालित रहा। 1960 से 1965 तक विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यहां दूध वितरण किया जाता था। 1965 से 2005 तक टीबी अस्पताल के डॉक्टरों का निवास स्थान रहा। इसके बाद नगरपालिका ने टीबी अस्पताल प्रांगण में डॉक्टरों के लिए नई इमारत बनवाई और लोक निर्माण विभाग से यह बंगला नगरपालिका को स्थानांतरित कर दिया गया। तब से यहां थाना नौगांव द्वारा यातायात पुलिस चौकी संचालित हो रही थी। अब चौकी के नए स्थान पर शिफ्ट होने के बाद बंगले का भविष्य अनिश्चित हो गया है। सूत्रों के अनुसार, नगरपालिका इस इमारत को जमींदोज करने की तैयारी में है। नगरपालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी ने इस संबंध में कहा, इस बिल्डिंग का क्या करना है, इस विषय में विधायक जी से बात कर आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

नगर पालिका के कचरा शुल्क वृद्धि के खिलाफ व्यापक विरोध, कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा

छतरपुर। नगर पालिका परिषद छतरपुर द्वारा कचरा संग्रहण शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी के खिलाफ शहर के विभिन्न वर्गों में आक्रोश फैल गया है। मेडिकल क्षेत्र, होटल, मैरिज हाउस, स्कूल-कॉलेज संचालकों सहित शहरवासियों ने आज कलेक्टर कार्यालय में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर इस फैसले का विरोध किया और तत्काल सुधार की मांग की है।

पिछले वर्ष जहां घरेलू या छोटे स्तर पर कचरा शुल्क मात्र 500 रुपये प्रतिवर्ष था, वहीं अब इसे 60,000 रुपये तक बढ़ा दिया गया है। कुछ संस्थाओं पर तो 1 लाख 20 हजार रुपये तक का बोझ डाला गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह वृद्धि किसी भी रूप से न्यायसंगत नहीं है और इसे जजिया कर की संज्ञा दी जा रही है।

डॉ. एमपीएन खरे ने बताया कि नगर पालिका ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, दुकानों और घरों से कचरा एकत्रित करने के नाम पर यह अतिरिक्त कर थोप दिया है। उन्होंने कहा, महंगाई बढ़ रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कर की दरों में इतनी जबरदस्त वृद्धि की जाए। हम इस आदेश के तुरंत वापस लेने की मांग करते हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो छतरपुर की जनता सड़कों पर उतरकर नगर पालिका का विरोध करेगी।

होटल मालिक भगवतशरण अग्रवाल ने कहा कि पहले होटलों से मासिक 500 रुपये का चार्ज लिया जाता था, लेकिन अब वार्षिक 60 हजार रुपये कर दिया गया है। उन्होंने इसे मुगलों के शासन की तरह तानाशाही करार देते हुए कहा कि नई दरें

न्यायसंगत नहीं हैं और शासन से इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की गई है। नगर पालिका की इस मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्कूल-कॉलेजों पर कर की दर 120 गुना तक बढ़ा दी गई है। पहले से ही बिल्डिंग पर टैक्स दिया जा रहा है, अब इस अतिरिक्त बोझ से संस्थानों की कमाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

मैरिज गार्डन संचालक ने भी कलेक्टर को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि अप्रत्याशित वृद्धि से खर्चे निकालना मुश्किल हो गया है। उन्होंने मांग की कि कर में थोड़ी-बहुत बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इतनी बड़ी छलांग उचित नहीं है। नगर पालिका को लोगों की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए।

शहरवासियों का कहना है कि यदि नगर पालिका ने जल्द ही इस फैसले को संशोधित नहीं किया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा है।

भारत विकास परिषद् ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह एवं महिला दिवस

समाजसेवियों का किया गया आत्मीय सम्मान

छतरपुर। भारत विकास परिषद्,छतरपुर के तत्वावधान में स्थानीय महालक्ष्मी मंदिर में होली मिलन समारोह तथा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी महिलाओं तथा पुरुषों का स्वागत एवं आत्मीय सम्मान किया गया। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर होली की शुभकामनाएं दीं और रंगपंचमी पर रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के रंग बिखेर दिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का सुंदर आगाज किया।कार्यक्रम का संचालन कर रहे उपाध्यक्ष डॉ. सुमति प्रकाश जैन ने भारत विकास परिषद् के उद्देश्यों तथा सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर परिवार,समाज और देश के विकास में महिलाओं के असीम योगदान को रेखांकित किया। भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अनुपम टिकरिया ने स्वागत भाषण दिया। परिषद् की साधारण सभा की बैठक में सचिव श्री उमेश लालवानी ने वर्ष भर में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। परिषद् के प्रांतीय उपाध्यक्ष आलोक टिकरिया ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए होली मिलन तथा महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद् के उन सदस्यों का भावभीना सम्मान किया गया,जो समाजसेवा तथा राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इनमें सबसे पहले हाल ही में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बने श्री पंकज पहारिया का अथितियों द्वारा पुष्प मालाओं तथा मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। इसी क्रम में नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष विकेंद्र बाजपेई मिंटू, पार्षदगण श्रीमती मंजू भार्गव, श्रीमती शिवानी चौरसिया,श्रीमती आस्था गोस्वामी एवं सुशील शिवहरे का परिषद् की ओर से पुष्प गुच्छ तथा मोमेंटो भेंट कर आत्मीय और भावभीना सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों, बहिनों,भाइयों एवं बच्चों को गुलाल लगाकर होली मिलन कार्यक्रम मनाया गया तथा होली की बधाई दी गई। कार्यक्रम में अपने सम्मान के बाद पंकज पहारिया ने अपने उद्बोधन में सम्मान के प्रति आभार जताया और इस बार रामनवमी की शोभायात्रा को और भी शानदार तथा गरिमा के साथ निकालने में सभी के सहयोग का आव्हान किया। श्री पहारिया ने जानकारी दी कि इस बार रामनवमी की इस भव्य शोभा यात्रा में डीजे का उपयोग नहीं किया जाएगा। डीजे की जगह पारंपरिक वाद्ययंत्र तथा बैंड पार्टी शोभा बढ़ाएगी। इस अवसर पर सदस्यों ने अपनी रोचक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को सरस बना दिया। जयकुमार गुप्ता ने सबसे पहले एक हास्य कथानक सुना कर सभी को हंसाया।इसके बाद उन्होंने एक दार्शनिक कविता सबको जाना है जरूर.. सुना कर श्रोताओं से खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी तथा सदस्यगण बड़ी संख्या में सपरिवार उपस्थित रहे।पूरे कार्यक्रम की शानदार फ़ोटोग्राफ़ी स्कूली छात्र मास्टर दिव्यांश शिवहरे ने कर अपना हुनर दिखाया।

तेज रफ्तार का कहर: बिलहरी पुल पर देर रात हुआ भीषण हादसा, कार ने ई-स्कूटी को उड़ाया

कार में मिली यूपी पुलिस की कैप, वर्दी और शराब की बोतलें

नौगांव। शहर से सटे बिलहरी गांव के निकट कुम्हेड़ नदी के पुल पर रविवार रात करीब साढ़े दस बजे तेज रफ्तार और लापरवाही का खतरनाक मंजर देखने को मिला। पुलिस लिखी एक स्विफ्ट डिजायर कार ने ई-स्कूटी सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक पुल से नीचे नाले रूपी कुम्हेड़ नदी में जा गिरे।

हादसे के बाद कार क्रमांक यूपी 53 सीक्यू 5622 अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग पर चढ़ गई। दुर्घटना के तुरंत बाद कार सवार मौके से फरार हो गए और घायल युवकों को तड़पता छोड़कर भाग निकले। घटना के दौरान पीछे से आ रहे बिलहरी गांव निवासी मोहन पाल ने हादसा होते देखा। उन्होंने तुरंत गांव के अन्य लोगों को बुलाया और ग्रामीणों की मदद से दोनों युवकों को नाले से बाहर निकालकर सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि दोनों युवकों की हालत फिलहाल सामान्य है और उन्हें गंभीर चोटें नहीं आई हैं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कार की तलाशी ली तो अंदर से उत्तर प्रदेश पुलिस की कैप, वर्दी और अन्य सामग्री के साथ शराब तथा बीयर की बोतलें बरामद हुईं। कार के आगे और पीछे अंग्रेजी में 'पुलिस' लिखा हुआ भी पाया गया। इससे मामला और संदिग्ध हो गया है। पुलिस अब जांच कर रही है कि क्या वाहन किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी का है या फिर पुलिस का नाम इस्तेमाल कर इसका दुरुपयोग किया जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही नौगांव पुलिस थाने से एसआई प्रदीप मिश्रा मौके पर पहुंचे। ग्रामीण शिवम यादव सहित अन्य लोगों की मदद से रेलिंग पर चढ़ी कार को नीचे उतारकर पुल पर खड़ा कराया गया। पुलिस अब वाहन मालिक और चालक की पहचान करने तथा पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है।

जिला अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने तोड़ा कांच, किया जमकर हंगामा

छतरपुर। जिला अस्पताल में हाई शुगर से पीड़ित एक महिला मरीज की मौत के बाद उसके परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। मृतका आशारानी जोगी (53 वर्ष) पत्नी ऊदल सिंह जोगी निवासी बड़ामलहरा को कल दोपहर करीब 2 बजे हाई शुगर के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृत्यु के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल की चौथी मंजिल पर लगी खिड़की का कांच तोड़ दिया और लगभग एक घंटे तक हंगामा करते रहे। परिजनों ने अस्पताल की नर्सों पर समय पर मरीज को न देखने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने डॉक्टर न मिलने और अस्पताल में बाहर से दवाएं मंगवाने की शिकायत की। हंगामे के दौरान परिजनों ने चौथी मंजिल पर भर्ती अन्य मरीजों से कहा कि अगर अपने मरीज की जान बचाना चाहते हो तो पैसे बचाने के चक्कर में यहां भर्ती न करो, उन्हें घर ले जाओ या प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराओ। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में उचित समय पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण मरीज की मौत हुई।

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री ने इलाजरत डॉ. थापर की धर्मपत्नी का कुशलक्षेम जाना

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी अस्पताल में इलाजरत डॉ. रोहित थापर की धर्मपत्नी का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा समुचित उपचार के निर्देश दिये।

रक्तदान शिविर आयोजन के संबंध में बैठक आज

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजन के संबंध में बैठक 10 मार्च को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गयी है। उल्लेखनीय है कि आगामी दिनों में जिला चिकित्सालय में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक में संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गयी है।

सम्पत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण संबंधी बैठक 11 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक 11 मार्च को

रीवा । कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में 11 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर प्रतिभा पाल करेंगी। इस संबंध में जिला पंजीयक संध्या सिंह ने बताया कि बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार अचल सम्पत्तियों का बाजार मूल्य का निर्धारण किया जाएगा। जिला पंजीयक ने समिति के सदस्य विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह तथा समिति के अन्य सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। नई गाइडलाइन के अनुसार प्रस्तावित दर जिला पंजीयक कार्यालय तथा उप पंजीयक कार्यालय मऊगंज, हनुमना, सिरमौर एवं त्योंथर में उपलब्ध है। आमजन इसका अवलोकन करके सुझाव दे सकते हैं।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि आज

रीवा । किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मार्च निर्धारित की गई है। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश ताण्डेकर ने बताया कि जिले में गेंहू उपार्जन के लिए प्रस्तावित सभी खरीदी केन्द्रों में किसान गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर पंजीयन करा सकते हैं।

दर्दनाक हादसा: ट्रैक्टर पलटने से दो की मौत कच्चे रास्ते के गड्ढे में पहिया फंसने से हादसा

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के हर्दी गांव के पास सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलटने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, मनगवां थाना क्षेत्र के नवागांव निवासी प्रद्युम्न सिंह (38) अपने एक रिश्तेदार की ट्रॉली करीब दो महीने पहले लेकर गए थे। रविवार को वह ट्रॉली वापस करने के लिए हर्दी गांव पहुंचे थे। शाम करीब 6 बजे जब वे ट्रैक्टर से गांव के कच्चे रास्ते से गुजर रहे थे, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि रास्ते में ट्रैक्टर का एक पहिया सड़क किनारे बने गड्ढे में फंस गया, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर पलट गया। हादसे के समय ट्रैक्टर में प्रद्युम्न सिंह और उनका ड्राइवर सवार थे। दोनों को गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को संजय गांधी अस्पताल रीवा भेजा गया। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में मातम छा गया। बैकुंठपुर थाना प्रभारी घनश्याम मिश्रा ने बताया कि ट्रैक्टर पलटने से दो लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कच्चे रास्तों की हालत खराब होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे में सड़क की मरम्मत और सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है।

रीवा–सीधी मार्ग के छुहिया घाटी में हाथियों की दस्तक, वन विभाग ने एहतियातन रोका यातायात

रीवा। रीवा और सीधी जिले की सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में सोमवार तड़के हाथियों के मूवमेंट के चलते वन विभाग को एहतियातन यातायात रोकना पड़ा। हाथियों के सुरक्षित गुजरने और किसी भी संभावित हादसे से बचाव के लिए विभाग के कर्मचारियों ने घाटी मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से बंद कर दी।

इस दौरान सुबह के समय यात्रा कर रहे वाहन चालकों और राहगीरों को कुछ समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 4 बजे हाथियों का एक जोड़ा छुहिया घाटी के पास पहुंच गया था। यह मार्ग रीवा और सीधी जिलों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रास्ता है, जहां सुबह होते ही वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाती है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन अमले ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए मार्ग पर जाम लगाकर वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाथियों का मूवमेंट इसी रास्ते से आगे बढ़ रहा था और उनके सुबह लगभग 10 बजे तक घाटी क्षेत्र से निकल जाने की संभावना जताई गई थी। जब तक हाथियों का झुंड पूरी तरह सुरक्षित रूप से आगे नहीं बढ़ गया, तब तक यातायात बंद रखने की व्यवस्था की गई थी। वन विभाग के डिप्टी रेंजर राजनेश सिंह ने बताया कि हाथियों का झुंड आगे बढ़ते हुए बघवार क्षेत्र तक पहुंच चुका है। इसके बाद उनके मझिगवां क्षेत्र से होते हुए मैहर और सतना जिले की सीमा की ओर बढ़ने की संभावना है। विभाग की टीमें लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं और क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक बीते करीब 20 दिनों से हाथियों का यह झुंड सीधी जिले की सीमा के आसपास सक्रिय है। इस दौरान कई गांवों में हाथियों के खेतों में घुसने से किसानों की फसलों को नुकसान भी हुआ है। वन विभाग द्वारा ऐसे लगभग सात से आठ गांवों का सर्वे कराया गया है, जहां फसल क्षति की पुष्टि हुई है। प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए मुआवजा प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। संबंधित किसानों के नाम चिन्हित कर उन्हें मुआवजा देने के लिए पत्र जारी किए जा चुके हैं। विभाग का कहना है कि हाथियों के झुंड की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

रीवा-डभौरा मार्ग पर चक्काजाम, बिजली समस्याओं को लेकर किसानों व ग्रामीणों का प्रदर्शन

रीवा। जिले के सिरमौर क्षेत्र में बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर किसानों और ग्रामीणों का आक्रोश सोमवार को सड़क पर देखने को मिला। क्षेत्र के किसानों, गरीब उपभोक्ताओं और ग्रामीणों ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर रीवा-डभौरा मार्ग पर बैठकर चक्काजाम कर दिया और विद्युत विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बाद में मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।जानकारी के अनुसार, सिरमौर विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत आने वाले गांवों के किसान और आम उपभोक्ता लंबे समय से बिजली की अनियमित आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों तथा झूलते बिजली तारों की समस्या से परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रदर्शन में शामिल एनएसयूआई कार्यकर्ता निष्कर्ष मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं और विद्युत के तार खेतों तथा सड़कों के ऊपर झूल रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा सामान्य उपभोक्ताओं और गरीब परिवारों को 15 से 25 हजार रुपये तक के बिजली बिल थमा दिए गए हैं, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। इससे नाराज होकर ग्रामीणों और किसानों ने रीवा-डभौरा मार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिरमौर तहसीलदार तथा बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था सुधारने, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने तथा गलत बिजली बिलों की जांच कराने की मांग की।अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्धारित समय में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे पुनः आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

चालू माह की लंबित शिकायतों का निराकरण कर रैंकिंग सुधारें गेंहू उपार्जन के लिए समय रहते तैयारियाँ कर लें

रीवा । कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी चालू माह में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि विभाग रैंकिंग में सी और डी श्रेणी में न रहे। राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ऊर्जा विभाग तथा पीएचई विभाग लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। इन सभी विभागों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। सभी एसडीएम लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत रूचि लेकर प्रतिवेदन दर्ज कराएं तथा प्रकरणों का निराकरण करें। सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए सभी तैयारियाँ समय रहते पूरी कर लें। राजस्व अधिकारी पंजीकृत किसानों द्वारा उपार्जन के लिए दर्ज रकबे का शत-प्रतिशत सत्यापन करें। सभी एसडीएम गिरदावरी तथा फसल कटाई प्रयोग का मौके पर जाकर सत्यापन करें। संकल्प से समाधान अभियान में शेष बचे आवेदन पत्रों का निराकरण करके पोर्टल पर प्रतिवेदन दर्ज कराएं। जिले में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। अभियान से जुड़े विभागों के अधिकारी 15 मार्च तक अभियान की चरणवार कार्ययोजना प्रस्तुत करें। अभियान के तहत पुराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, वृक्षारोपण की तैयारी तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने के कार्य प्राथमिकता से शामिल करें। सभी एसडीएम अभियान के दौरान तालाबों के जल भराव क्षेत्र और मेड़ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कठोरता से करें। सभी जल संरचनाओं को खसरे में दर्ज कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि 14 और 15 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी टीके लगाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टीकाकरण के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार तथा काउंसलिंग की व्यवस्था करें। जिला शिक्षा अधिकारी चिन्हित छात्राओं को टीकाकरण केन्द्र तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था करें। इसके लिए शिक्षकों को तैनात करें। जिला संयोजक जनजातीय कार्य भी छात्रावास की 14 और 15 वर्ष की छात्राओं को नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर टीके लगवाएं। कैंसर से बचाव के टीके निःशुल्क लगाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टीकाकरण का लक्ष्य एक माह में पूरा कराएं। इसके लिए प्रत्येक बीएमओ को प्रतिदिन टीकाकरण का लक्ष्य दें। गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा चिकित्सकों की 14 और 15 साल की बेटियों को टीके लगवाकर इसका प्रचार-प्रसार कराएं, जिससे अन्य लोग किशोरियों के टीकाकरण के लिए प्रेरित हों। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने कहा कि सभी अधिकारी लंबित जल कर का भुगतान कराएं। समय पर भुगतान न होने पर पानी की आपूर्ति में बाधा होगी। इसी तरह कई विभागों में बिजली बिलों की बड़ी राशि बकाया है। इसका एक सप्ताह में भुगतान कराएं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान में जल संरक्षण और संवर्धन से जुड़े कार्यों का विवरण और फोटो जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर अपलोड कराएं। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारी परियोजना अधिकारी मनरेगा से आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर लें। अभियान के दौरान नहरों की साफ-सफाई तथा गत वर्ष के जल संरक्षण के अधूरे कार्यों को पूरा कराने का प्रयास करें। बैठक में जिला नजूल अधिकारी को शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक और बी ब्लॉक में साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में मौसमी रसीले फलों की आवक तेज गर्मी बढ़ते ही तरबूज-संतरे की मांग बढ़ी

रीवा। शहर में गर्मी की दस्तक के साथ ही बाजारों में मौसमी और रसीले फलों की आवक तेज हो गई है। इन दिनों शहर के प्रमुख फल बाजारों और ठेलों पर तरबूज, संतरा, अंगूर समेत कई ताजे फल बड़ी मात्रा में पहुंच रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग इन फलों की खरीदारी कर रहे हैं, जिसके चलते बाजारों में इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। फल व्यापारियों के अनुसार जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे तरबूज और अन्य रसीले फलों की बिक्री में भी तेजी आ रही है। खासतौर पर महाराष्ट्र से आने वाले तरबूज की रीवा बाजार में अच्छी मांग देखी जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि महाराष्ट्र के तरबूज का स्वाद और गुणवत्ता बेहतर होने के कारण ग्राहक इन्हें अधिक पसंद कर रहे हैं। इसी वजह से बाहर से आने वाले तरबूज को थोक में खरीदा और बेचा जा रहा है।फल मंडी के व्यापारियों ने बताया कि इस समय शहर में आने वाले अधिकतर तरबूज महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से लाए जा रहे हैं। अच्छी गुणवत्ता और उचित दाम मिलने के कारण व्यापारियों को भी इसका लाभ मिल रहा है। थोक बाजार से खुदरा विक्रेता तरबूज खरीदकर शहर के विभिन्न इलाकों में बेच रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को भी ताजे फल आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं।डॉक्टरों के अनुसार गर्मी के मौसम में तरबूज का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होता है। तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करती है। गर्मी के मौसम में अक्सर लोग डिहाइड्रेशन और अन्य समस्याओं से परेशान हो जाते हैं, ऐसे में तरबूज जैसे रसीले फल शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ ऊर्जा भी प्रदान करते हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि तरबूज का नियमित सेवन करने से शरीर को पर्याप्त पानी मिलता है और त्वचा में भी निखार आता है। इसके अलावा यह शरीर को हाइड्रेट रखने में सहायक होता है, जिससे गर्मी के प्रभाव से बचाव किया जा सकता है। फल विक्रेताओं का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने के साथ तरबूज, अंगूर और संतरे जैसे रसीले फलों की मांग में और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

भारत सरकार के दल द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की गुणवत्ता व स्वास्थ्य सुविधाओं का किया जा रहा है निरीक्षण

रीवा । भारत सरकार के दल द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उनकी गुणवत्ता का निरीक्षण किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत भारत सरकार के चिकित्सकीय दल द्वारा जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का भ्रमण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा प्रदेश के साथ-साथ जिले में भी स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के सभी प्रयास जारी हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों एवं चिकित्सकीय स्टाफ तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं सहित समुचित इलाज का कार्य किया जा रहा है जिसका राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा परीक्षण कराया जा रहा है। दल के परीक्षण के उपरांत भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य केन्द्रों को अतिरिक्त संसाधन व सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। भारत सरकार के दल में बिहार सरकार के डॉ. राजू कुमार मौर्य एवं झारखण्ड की डॉक्टर प्रीति संगीता द्वारा भिटवा आयुष्मान आरोग्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भिटवा स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर पायी गयी। आने वाले समय में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर यहां सामान्य प्रसव एवं टेलीमेडिसिन से उपचार की सुविधा प्राप्त हो जायेगी। उप मुख्यमंत्री जी के प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय ने भारत सरकार के दल का भिटवा स्वास्थ्य केन्द्र में स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान आकांक्षा सिंह, डॉ. सुधाकर पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, आरती सिंह एवं रूपा साकेत उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि गतदिनों आईडीबीआई बैंक द्वारा भिटवा स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 2 लाख रूपये की सामग्री उपलब्ध कराई गयी थी। इस दौरान जनरल मैनेजर आलोक अस्थाना, संदीप कुमार डोगरे एवं अजय कुमार तिवारी की उपस्थिति रही। भारत सरकार के दल द्वारा भिटवा उप स्वास्थ्य केन्द्र को उच्च गुणवत्ता का केन्द्र पाया गया।

मऊगंज में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आध्यात्मिक कवि सम्मेलन व होलिकोत्सव का भव्य आयोजन

मऊगंज। ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा आध्यात्मिक कवि सम्मेलन एवं होलिकोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी दीदी पूर्णिमा एवं बहन खुशबू ने मऊगंज वासियों को शांति, प्रेम और आध्यात्मिक जीवन का संदेश दिया।आध्यात्मिक कवि सम्मेलन का संयोजन एवं मंच संचालन सुरेश भाई (शंकरगढ़) ने किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से आए कवियों — केशरी प्रसाद नंदन (हनुमना), आलोक कपिनाथ ऋतुराज (कोरांव), गंगा त्रिपाठी 'मासूम' (प्रयागराज), आचार्य आलोक बैरागी (प्रतापगढ़), हरिवंश शुक्ल 'शौर्य' (प्रतापगढ़), पूनम मिश्रा 'वैदेही' (अयोध्या), सुनीता चतुर्वेदी (आजमगढ़), हास्य कवि ठाकुर इलाहाबादी (प्रयागराज) तथा प्रमोद मोदक (मऊगंज) सभी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिकता का संदेश दिया।मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अधिकारी महेश पटेल, अविनाश सिंह (सब इंजीनियर), अंजली सिंह, पत्रकार संपादक आलोक शर्मा, पत्रकार विद्या चरण शुक्ला, प्रद्युमन शुक्ला तथा यातायात प्रभारी नरेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी पूर्णिमा बहन ने होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं ब्रह्माकुमारी खुशबू बहन ने आत्म चिंतन से परमात्मा चिंतन और राजयोग मेडिटेशन के महत्व को समझाया।कार्यक्रम में समाजसेवी रामरतन मिश्रा, अभिषेक भाई, अरुणा तिवारी, आशा पटेल, संतोष मिश्रा, सुनीता पटेल, रोशनी बहन,सहित आदर्श शिशु हायर सेकेंडरी स्कूल मऊगंज के डायरेक्टर आई.बी.पी. पटेल, प्राचार्य दिग्विजय सिंह एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी कवियों को गमछे,परमात्मा स्मृति एवं मानव जीवन का वास्तविक लक्ष्य लक्ष्मी नारायण का चित्र भेंट किया गया। कवियों का सम्मान कर होली की शुभकामनाओं के साथ समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के समापन में परमात्म संग के रंग में एक-एक बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लिया गया एवं फूलों की होली से कार्यक्रम का समापन किया गया

महिला और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं- एसडीओपी सची पाठक

मऊगंज। महिला दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग ने कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओपी सची पाठक ने कहा कि महिला और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं और समाज के विकास में दोनों की समान भागीदारी आवश्यक है।उन्होंने महिलाओं को समानता के अधिकार और मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि समाज में जागरूकता तभी आएगी जब लोग शिक्षित बनेंगे। इसलिए महिलाओं को शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान देना चाहिए और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की समस्याओं को भी सुना गया और उनके समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने का आश्वासन दिया गया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी आशीष द्विवेदी ने महिला अधिकारों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि लिंग जांच को रोकना आवश्यक है, जिससे बालिकाओं के प्रति भेदभाव समाप्त हो और बालिका जन्मदर को बढ़ाया जा सके। इसी दौरान जिला समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी ने महिलाओं और बच्चों की सहायता के लिए संचालित महिला हेल्पलाइन 1091 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम में आत्मरक्षा ट्रेनर सुनीता चौरसिया ने महिलाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न उपायों और तकनीकों की जानकारी दी। वहीं आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।इस अवसर पर स्थानीय महिला गायक मंडली द्वारा गीत और भजन की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दो सुपरवाइजर—नईगढ़ी सेक्टर से सुषमा शर्मा, मऊगंज सेक्टर से मंजू, एवं स्थानीय वरिष्ठ महिलाओं को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में मऊगंज परियोजना अधिकारी निर्मला शर्मा, जनपद अध्यक्ष नीलम सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अर्चना सिंह, पुष्पा पटेल (युवा कल्याण एवं खेल विभाग) तथा अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी की टीम से आशीष शुक्ला भी उपस्थित रहे।

किसानों के रकबे और फसल का समय सीमा में सत्यापन करें - कलेक्टर

रीवा । समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों अथवा ऑनलाइन 10 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों के गेंहू के रकबे के सत्यापन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी एसडीएम तथा तहसीलदार ई उपार्जन पोर्टल पर किसानों द्वारा दर्ज किए गए गेंहू के रकबे का गिरदावरी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यापन करें। गिरदावरी से अलग गेंहू का रकबा पाए जाने तथा गत वर्ष के पंजीयन से 50 प्रतिशत अधिक रकबा मिलने पर किसान द्वारा दर्ज रकबे का मिलान कराएं। जिन किसानों ने पाँच हेक्टेयर से अधिक रकबे का पंजीयन किया है उनका भी सत्यापन अनिवार्य रूप से करें। वनाधिकार धारित पट्टा किसानों के फसल की किस्म का सत्यापन वन विभाग के सहयोग से करें। उपार्जन के लिए पंजीकृत सिकमी तथा बटाईदार किसान एवं कोटवार वन पट्टाधारी किसानों द्वारा दर्ज रकबे का सत्यापन भी अनिवार्य रूप से करें। ऑनलाइन सत्यापन करने के लिए खाद्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई आईडी और पासवर्ड का उपयोग करें।